

## पनडुबबी वाग्शीर

हाल ही में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने प्रोजेक्ट-75 की छठी **स्कोर्पीन सबमरीन** 'वाग्शीर' लॉन्च की।



## स्कोर्पीन श्रेणी सबमरीन क्या है?

- प्रोजेक्ट-75 स्कोर्पीन श्रेणी की पनडुबबियाँ डीजल-इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम द्वारा संचालित हैं।
- स्कोर्पीन सबसे परिष्कृत पनडुबबियों में से एक है, जो सतह-वर्षिधी जहाज़ युद्ध, पनडुबबी रोधी युद्ध, खुफिया जानकारी एकत्र करने, खदान बछिाने और कषेत्र की नगिरानी सहति कई मशिनों को पूरा करने में सकषम है।
- स्कोर्पीन वर्ग आईएनएस सधुशास्त्र के बाद से लगभग दो दशकों में नौसेना की पहली आधुनकि पारंपरकि पनडुबबी शृंखला है, जसिे जुलाई 2000 में रूस से खरीदा गया था।

## वाग्शीर:

### परचिय:

- वाग्शीर का नामकरण सैंड फशि के नाम पर कयिा गया है, जो हृदि महासागर के गहरे समुद्र में रहने वाली एक शकिारी प्रजाति है।
- रूस से प्राप्त वाग्शीर श्रेणी की पहली पनडुबबी को दसिंबर 1974 में भारतीय नौसेना में शामिल कयिा गया था और अप्रैल 1997 में इसे सेवामुकृत कर दयिा गया था।
- वाग्शीर **P75 परयिोजना** के तहत बनाई गई स्कोर्पीन श्रेणी की पनडुबबियों में अंतमि है जो समुद्री परीकषण के बाद 12-18 महीनों के भीतर नौसेना के बेड़े में शामिल की जा सकती है।

### वशिषताएँ:

- वाग्शीर एक डीजल अटैक पनडुबबी (**Diesel Attack Submarine**) है, जसिे इस प्रकार डज़ाइन कयिा गया है कयिह समुद्र में दुश्मन की नगिरानी से बचने में सकषम है।
- यह C303 **एंटी-टारपीडो काउंटरमेजर सिस्टम** से युक्त है।
- यह टारपीडो के स्थान पर 18 टारपीडो या एक्सोसेट एंटी-शिप मसिाइल या 30 माइन तक ले जा सकती है।
- इसकी बेहतर वशिषताओं में नगिरानी से बच नकिलने वाली कषमताएँ, उन्नत ध्वनि अवशोषक तकनीक, कम वकिरिण वाले शोर स्तर, हाइड्रो-डायनामिक रूप से अनुकूलति आकार आदि शामिल हैं जो सटीक नरिदेशति हथयिारों से पानी के नीचे या सतह पर एक अप्रत्याशति हमला कर सकती है।

## प्रोजेक्ट-75:

- यह पी 75 पनडुब्बियों की दो पंक्तियों में से एक है, दूसरा P75I है, यह वदेशी फर्मों से ली गई तकनीक के साथ स्वदेशी पनडुब्बी निर्माण के लिये 1999 में अनुमोदित योजना का हिस्सा है।
- P75 के तहत छह पनडुब्बियों का अनुबंध अक्टूबर 2005 में मझगांव डॉक को दिया गया था और डिलीवरी 2012 से शुरू होनी थी, लेकिन अब यह प्रोजेक्ट देरी का सामना कर रहा है।
  - इस कार्यक्रम को फ्रांसीसी कंपनी नेवल ग्रुप (जिसने पहले DCNS के नाम से जाना जाता था) से मझगांव डॉक लिमिटेड (MDL) को प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के साथ शुरू किया गया है।
- P75 के तहत INS कलवरी, **INS खंडेरी**, **INS करंज** और INS वेला को चालू किया गया है।
- **वागीर** का समुद्री परीक्षण जारी है।
- वागशीर छठी पनडुब्बी है जिसके निर्माण में महामारी के कारण देरी हुई है।

## स्रोत: द हिंदू

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/submarine-vagsheer>

